an>

Title: Regarding exploitation of farmers in the country.

श्री देवेन्द्र सिंह भोले (अकबरपुर): माननीय उपाध्यक्ष जी, आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए बहुत बहुत धन्यवाद।

मान्यवर, मैं उत्तर प्रदेश के अकबरपुर लोक सभा क्षेत्र के संबंध में कहना चाहता हूँ। मैंने इस विषय पर पहले भी शून्यकाल द्वारा तथा नियम 377 के द्वारा इस सदन को अवगत कराया था कि सड़क से लेकर सदन तक हम सब यहाँ और वहाँ बैठे लोग यह कहते हैं कि इस देश का मालिक किसान है। लेकिन मैं समझता हूँ कि जिस तरह की वर्तमान स्थिति उत्तर प्रदेश की और हमारे क्षेत्र की है, आज वह किसान, किसान न होकर बहुत दयनीय स्थिति में है। विगत दिनों जहाँ भारत के यशस्वी प्रधान मंत्री जी के द्वारा किसानों को उचित मूल्य दिलाने के लिए देश के सभी प्रांतों को आगृह किया गया, लिखित कहा गया, निर्देश दिया गया, वहीं उत्तर प्रदेश को भी उस क्रम में नहीं छोड़ा गया। हमारा दुर्भाग्य है कि आज हमारे अकबरपुर लोक सभा क्षेत्र के अंतर्गत जहाँ दैवीय आपदा के कारण, बेमौसम बरसात के कारण, ओलावृष्टि के कारण और भूकंप के कारण जिन लोगों की मृत्यु हुई है, उन्हें लोग मृत्यु मानने के लिए तैयार नहीं हैं।

मैं आपको उदाहरण के तौर पर बताना चाहता हूं, मेरा इस सदन से आगृह है कि इस सदन की समिति बनाकर के इसकी जांच करा ली जाये। घाटमपुर तहसील के अमोर गांव में सात तारीख को किसान की मृत्यु उसके खेत पर सदमे के कारण हुई और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इसे सदमा दिखाया गया है, लेकिन आज तक कानपुर नगर के जिला प्रशासन द्वारा उसे मुआवजा नहीं दिया गया। दूसरे हमारे क्षेत्र के तमाम ऐसे गांवों में मैंने भ्रमण करके देखा कि लेखपालों के द्वारा कहीं तो सर्वे नहीं किया गया और कहीं का सर्वे किया गया है तो सर्वे के बाद भुगतान में चैक लेने के लिए भी उनसे अग्रिम राशि ली जाती है।

हमारा इस सदन से आपके माध्यम से निवेदन है कि आने वाली खरीफ की फसल में किसानों को खाद और बीज मुफ्त मुहैया कराने का काम किया जाये। आज किसान बहुत दयनीय स्थिति में हैं। अगर किसानों के साथ हम खड़े नही होंगे तो हमारे देश का भगवान ही रक्षक है।

HON. DEPUTY SPEAKER: Shri Bhairon Prasad Mishra is permitted to associate with the issue raised by Shri Devendra Singh Bhole.